नेहरू जी के व्यक्तित्व के कई आयाम थे। १७ वर्ष की लंबी अवधि तक वे देश को समृद्ध, शिक्षित, गतिशील और स्वावलंबी बनाने के प्रयमत्न में लगे रहे। वे मानवतावादी, उदारचेनता तथा सहिष्णु स्वभाव के नेता थे और जनता की सेवा को ही अपना परम धर्म मानते थे। देश के लोगों में वे बहुत लोकप्रिय थे और सारी जनता उन्हें बड़ा आदर व प्यार करती थी। वे एक बहुत अच्छे वक्ता, लेखक और इन्सान थे। उनके भाषण सुनने हजारों की भीड़ उमड़ पड़ती थी।

बच्चों से उनको असीम प्यार था। उन्हीं की आँखों में वे भारत का स्विर्णिम भविष्य देखते थे। बहुत व्यस्त रहने के बावजूद भी वे बच्चों से मिलने का समय निकाल ही लेते थे। बच्चों में वे स्वंय भी बच्चे बन जाते थे। उनका जन्मदिन १४ नंवबर उनकी इच्छा के अनुसार ‘बाल दिवस’ के रूप में मन जाने लगा और आज भी मनाया जाता है। इस दिन देश के सभी बच्चे अपने प्यारे चाचा नेहरू को याद करते हैं, उनके जीवन से प्रेरणा लेते हैं तथा उनके द्‌वारा बताए गए मार्ग पर चलने का प्रयत्न करते हैं। वे महान लेखक थे।

२७ मई, १९६४ को नई दिल्ली में इस महान, नेता, राष्ट्रभक्त, लेखक और देशसेवक का निधन हो गया और सारा राष्ट शोक में डूब गया।